भारतीय विकास अधिनियम

धारा १ 27 - २ 27

दिल्ली लॉ एकेडमी - भारत का सबसे बेहतरीन लॉ कोचिंग

न्यायिक सेवाएं, एलएलएम प्रवेश

www.delhilawacademy.com

सभी सामग्री, कॉपीराइट और ट्रेडमार्क उनके संबंधित स्वामियों के अधिकार हैं

भारतीय विकास अधिनियम [धारा १ EV - २CE]

प्रवेश की परिभाषा

धारा 17

- एक **प्रवेश एक बयान है**
  - मौखिक या वृत्तचित्र या इलेक्ट्रॉनिक रूप में निहित
    - जो किसी *भी मुद्दे पर किसी भी तथ्य के रूप में किसी* भी **अनुमान का** सुझाव देता है *प्रासंगिक तथ्य*
    - निर्दिष्ट के तहत निर्दिष्ट व्यक्तियों द्वारा किया जाता है जो परिस्थिति

DLA द्वारा धारा 17 पर टिप्पणियाँ:

प्रश्न: प्रवेश क्या है?

उत्तर:

- ***प्रवेश*** *को एक बयान, मौखिक या वृत्तचित्र के रूप में परिभाषित किया गया है मुद्दे या प्रासंगिक तथ्य में किसी भी तथ्य के रूप में किसी भी अनुमान का सुझाव देता है* और *जो है किसी भी व्यक्ति द्वारा बनाई गई, और परिस्थितियों में, में वर्णित है*

एस एक्टियन 18 से 21।

[स्रोत : **सीबीआई बनाम सुप्रीम कोर्ट में वीसी शुक्ला**]

प्रश्न: प्रवेश कौन कर सकता है?

उत्तर: प्रवेश पत्र बनाया जा सकता है

- कार्यवाही या उसके एजेंट के लिए एक पार्टी द्वारा [Sec 18]
- उस व्यक्ति द्वारा जिसकी स्थिति सिद्ध की जानी चाहिए [Sec 19]
- ऐसे व्यक्ति द्वारा जिसे स्पष्ट रूप से संदर्भित किया जाता है [Sec 20]

पेज 3

धारा 18

- द्वारा किए गए कथन

ओ एक **कार्यवाही या उसके एजेंट के लिए पार्टी**

- प्रवेश हैं

धारा 19

- द्वारा किए गए कथन
  - o जिन व्यक्तियों की स्थिति या दायित्व यह साबित करना आवश्यक है
- प्रवेश हैं
  - ओ अगर इस तरह के बयान इस तरह की स्थिति या दायित्व के लिए प्रासंगिक होंगे

चित्रण

- B के लिए किराए को इकट्ठा करने का एक उपक्रम है
  - o B, B से C वसूल नहीं करने के कारण A पर मुकदमा करता है
  - o A इस बात से इनकार करता है कि किराया C से B के कारण था
- **C का कथन है** कि उसका B किराया बकाया है
  - ओ एक प्रवेश है और
  - ओ ए के खिलाफ के रूप में एक प्रासंगिक तथ्य है अगर एक से इनकार करते हैं कि सी बी को किराए पर लेने के देने की थी

धारा 20

- व्यक्तियों द्वारा किए गए कथन
  - ओ जिसे करने के लिए सूट करने के लिए पार्टी है **स्पष्ट रूप से जानकारी के लिए भेजा**
- प्रवेश हैं

चित्रण

- प्रश्न है
    - o क्या A द्वारा B को बेचा गया घोड़ा ध्वनि है
- A, B से कहता है
    - ओ "जाओ और सी से पूछो, वह इसके बारे में सब जानता है"
- **C का कथन** एक प्रवेश है

पेज 4

विज्ञापन नियम और भुगतान किए जा सकते हैं

धारा 21

- **प्रवेश प्रासंगिक हैं** और ***साबित हो सकते हैं***
    - o उस व्यक्ति के **खिलाफ** जो उन्हें बनाता है
- **लेकिन उन्हें *साबित नहीं किया जा सकता है***
    - o उस व्यक्ति **द्वारा** जो उन्हें बनाता है
- निम्नलिखित मामलों **को छोड़कर** :

(1)

- जब प्रवेश ऐसा हो
  - ओ अगर यह मर गए करने वाले व्यक्ति यह प्रासंगिक यू होगा / s 32

(2)

- जब यह *मन या शरीर के किसी भी राज्य के अस्तित्व का एक बयान है*
  - o उस समय बना जब मन या शरीर की ऐसी स्थिति थी और
  - ओ *आचरण के साथ* अपने असत्य को असंगत रूप से प्रस्तुत करता है

चित्रण (क)

- सवाल यह है कि एक निश्चित विलेख जाली है या नहीं
  - o यह पुष्टि करता है कि यह वास्तविक है, B यह जाली है
- *A,* ***B के कथन*** *को प्रमाणित कर सकता* ***है*** कि विलेख वास्तविक है
  - o लेकिन *A* ***स्वयं*** यह ***कथन*** *प्रमाणित नहीं कर सकता है* कि विलेख वास्तविक है

चित्रण (b)

- ए, एक जहाज के कप्तान, उसे दूर कास्टिंग के लिए कोशिश की है
  - o A *अपने व्यवसाय के साधारण पाठ्यक्रम में उनके* द्वारा रखी गई पुस्तक का उत्पादन करता है
- इस पुस्तक में कथनों को सिद्ध किया जा सकता है
  - ओ क्योंकि वे स्वीकार्य होंगे यदि वह मृत थे यू / एस 32 खंड (2)

पेज 5

DLA द्वारा धारा 21 पर टिप्पणियाँ :

- धारा 17 'प्रवेश' को परिभाषित करती है, एस.एस. 18 से 20 लेट हैं कि क्या स्टेटमेंट हैं प्रवेश, और एस। 21 बनाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ प्रवेश के प्रमाण के साथ संबंधित है उन्हें।

- धारा 18 के तहत पढ़े जाने वाले बयानों को धारा के साथ पढ़ा जा सकता है अधिनियम के 21 *वे बशर्ते 'किसी भी मुद्दे या प्रासंगिक तथ्य में कोई तथ्य' से संबंधित हों*।

प्रश्न: एडमिशन का क्या असर होता है?

उत्तर 1:

- *एक पार्टी द्वारा एक प्रवेश पर्याप्त सबूत है अगर यह आवश्यकताओं को पूरा करता है साक्ष्य अधिनियम की धारा 21 की*

- प्रवेश आमतौर पर निर्माता के खिलाफ बता रहे हैं जब तक कि यथोचित रूप से समझाया गया हो।

- प्रवेश वाले बयान की कोई आवश्यक आवश्यकता नहीं है
  पार्टी में रखा जाना है क्योंकि यह साक्ष्य **प्रोपीरो है।**

[प्राधिकरण: **बिश्वनाथ प्रसाद बनाम द्वारका प्रसाद में सुप्रीम कोर्ट**]

उत्तर 2:

- " *धारा 17 के मद्देनजर प्रवेश स्वयं द्वारा प्रमाण हैं*
  और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के 21, हालांकि वे निर्णायक सबूत नहीं हैं
  मामले स्वीकार किए जाते हैं।
- प्रवेश विधिवत साबित होने के बावजूद स्वीकार्य प्रमाण हैं
  पार्टी उन्हें साक्षी बॉक्स में दिखाई दी या नहीं और वह पार्टी है या नहीं
  जब गवाह के रूप में दिखाई दे रहा था तो उन बयानों के साथ सामना किया गया था
  उन प्रवेशों के विपरीत एक बयान दिया।

[प्राधिकरण: **भारत सिंह में सर्वोच्च न्यायालय बनाम भागीरथी 1965**]

उत्तर 3:

- *यह विवादित नहीं है कि व्यक्तियों द्वारा दिए गए बयानों का उपयोग किया जा सकता है*
  उनके खिलाफ प्रवेश भले ही वे नहीं रहे होंगे
  किसी अन्य व्यक्ति से संपर्क किया।
- उदाहरण के लिए, किसी व्यक्ति के खाता बही में बयान जो यह दर्शाता है कि वह
  दूसरे व्यक्ति के लिए ऋणी था, जो उसके खिलाफ इस्तेमाल किया जा सकता है
  भले ही इन बयानों को कभी किसी अन्य व्यक्ति को सूचित नहीं किया गया था

[प्राधिकरण: भोगीलाल चुन्नीलाल पांड्या बनाम बॉम्बे राज्य में सुप्रीम कोर्ट]

प्रश्न: इस तरह के निर्माता के खिलाफ केवल एक प्रवेश का उपयोग किया जा सकता है
प्रवेश?

उत्तर:

- नहीं।
- *अगर किसी आरोपी का प्रवेश उसके खिलाफ इस्तेमाल किया जाना है, तो इसे पूरा करना चाहिए*
  साक्ष्य में निविदा की जानी चाहिए, और यदि प्रवेश का भाग उत्कृष्ट और भाग है
  अभियोगात्मक, अभियोजन पक्ष साक्ष्य में उपयोग करने के लिए स्वतंत्रता पर नहीं है
  केवल अव्यवस्थित भाग।

[प्राधिकरण: अघ्नू नागेशिया बनाम बिहार राज्य में सुप्रीम कोर्ट]

धारा 22 दस्तावेजों की सामग्री के रूप में मौखिक प्रवेश

- एक दस्तावेज की सामग्री के रूप में मौखिक प्रवेश

  ओ प्रासंगिक नहीं हैं
- **जब तक** कि पार्टी सामग्री के *द्वितीयक प्रमाण देने की हकदार नहीं है*

पेज 7

बयान

कुछ इकाइयाँ प्रासंगिक नहीं हैं:

- कुछ प्रकार के प्रलोभन, धमकी या वादों के कारण होने वाली स्वीकारोक्ति [सेक 24]
- एक पुलिस अधिकारी के लिए स्वीकारोक्ति [सेकंड 25]
- बयान किए गए, जबकि पुलिस की हिरासत में [26 सेकंड]

हालाँकि , धारा 27 में निहित निषेध के लिए एक अपवाद प्रदान करता है
पूर्ववर्ती अनुभाग और पुलिस में किसी व्यक्ति द्वारा दिए गए कुछ कथनों को सक्षम बनाता है
अभियोग साबित किया जाए।

प्रश्न: इकबालिया बयान क्या है?

उत्तर 1:

- *"एक स्वीकारोक्ति को या तो अपराध के संदर्भ में स्वीकार करना चाहिए, या किसी भी दर पर काफी सारे तथ्य जो अपराध का गठन करते हैं*।

- *एक गंभीर रूप से विनाशकारी तथ्य का एक प्रवेश, यहां तक कि एक निर्णायक रूप से वास्तव में, अपने आप में एक स्वीकारोक्ति नहीं है* , उदाहरण के लिए एक प्रवेश है कि आरोपी मालिक का है और हाल ही में चाकू या रिवॉल्वर कब्जे में लिया था जिसके कारण किसी अन्य व्यक्ति के कब्जे की कोई व्याख्या नहीं हुई। "

[प्राधिकरण: पाक ***नारायण में प्रिवी काउंसिल बनाम सम्राट [1939*** *]*

उत्तर 2:

- *केवल अपराध की स्वैच्छिक और प्रत्यक्ष स्वीकारोक्ति एक स्वीकारोक्ति है।*

प्राधिकरण: **सीबीआई बनाम वीसी शुक्ला [1998 एससी]**

पेज 8

उत्तर 3:

- *एक बयान जिसमें कुछ तथ्य का एक उत्तेजक जोर होता है, जो यदि सच है, नकारात्मक अपराध कथित एक स्वीकारोक्ति के लिए राशि नहीं कर सकते हैं।*

[*प्राधिकरण:* वीरा इब्राहिम बनाम महाराष्ट्र राज्य में सर्वोच्च न्यायालय [1976]

कुछ प्रकार के अभियोगों, खतरों या वादों के कारण होने वाली स्वीकारोक्ति

धारा 24

- एक **अभियुक्त** व्यक्ति द्वारा **स्वीकारोक्ति**

  आपराधिक कार्यवाही में ओ **अप्रासंगिक** है
- यदि स्वीकारोक्ति किसी भी कारण , *धमकी या वादे के कारण हुई*

ओ जो *अधिकार में एक व्यक्ति से* आगे बढ़े
ओ आरोपी व्यक्ति को मान लेने के लिए पर्याप्त था

He इसे बनाने से वह एक **लाभ** प्राप्त करेगा या एक **बुराई** से बच जाएगा

▪ *के संदर्भ में* उसके खिलाफ कार्यवाही

DLA द्वारा धारा 24 पर टिप्पणियाँ

प्रश्न: किसी व्यक्ति को "अपराध का आरोपी" कहा जाता है जैसा कि धारा 24 में इस्तेमाल किया गया है?

उत्तर:

- "आम तौर पर *एक व्यक्ति पहली बार एक आरोपी के चरित्र में खड़ा होता है उसके खिलाफ अपराध के संबंध में सूचना रिपोर्ट दर्ज की जाती है अधिकारी इसकी जांच करने के लिए सक्षम है, या जब कोई शिकायत संबंधित से की जाती है प्रयास करने या भेजने के लिए एक मजिस्ट्रेट सक्षम होने से पहले अपराध का कमीशन अपराध के परीक्षण के लिए एक और मजिस्ट्रेट*।

[*प्राधिकरण: **आरसी मेहता बनाम** **सुप्रीम कोर्ट** **ऑफ़ वेस्ट बंगाल*** **[१ ९ in०] में सुप्रीम कोर्ट**

प्रश्न: निषेध अधिनियम यू / एस २४ कब आकर्षित हुआ ?

उत्तर:

- धारा 24 में अधिनियमित निषेध को आकर्षित करने के लिए, ये तथ्य होने चाहिए
  स्थापना:

(i) कि प्रश्न में बयान एक स्वीकारोक्ति है;

(ii) कि इस तरह की स्वीकारोक्ति किसी आरोपी व्यक्ति द्वारा की गई है;

(iii) कि यह प्राधिकरण के किसी व्यक्ति को बनाया गया है;

(iv) यह स्वीकारोक्ति किसी भी अभियोग, धमकी या के कारण से प्राप्त की गई है
प्राधिकरण में एक व्यक्ति से वादे की कार्यवाही;

(v) ऐसे अभियोग, धमकी या वादे के विरुद्ध आरोप का संदर्भ होना चाहिए
आरोपी व्यक्ति;

(vi) अभियुक्त को देने के लिए प्रलोभन, धमकी या वादा पर्याप्त होना चाहिए
व्यक्ति आधार, जो उसे उचित लगता है, उसको दबाने के लिए
इसे बनाने से वह किसी भी लाभ को प्राप्त करेगा या लौकिक प्रकृति की किसी भी बुराई से बच जाएगा
उसके खिलाफ कार्यवाही के संदर्भ में।

[*प्राधिकरण:* **वीरा इब्राहिम बनाम महाराष्ट्र राज्य** में सर्वोच्च न्यायालय [1976]

प्रश्न: क्या सच कहने के लिए एक कस्टम अधिकारी द्वारा शपथ दिलाई गई है स्वीकारोक्ति मिटा सकते हैं?

- हालांकि यह माना जा सकता है कि एक व्यक्ति को सीमा शुल्क के एक अधिकारी ने बुलाया सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 108 के तहत एक बयान देना अनिवार्य है सच्चाई का वर्णन करने के लिए कानून की बाध्यता, इसे एक मात्रा मानती है धमकी, " *अधिकार में एक व्यक्ति से*" आगे **नहीं** बढ़ता है धारा 24 का चिंतन *लेकिन कानून से निकलता है*।

पेज 10

- इसलिए, अगर स्वीकार नहीं किया जाता है, तो उसे मिटा दिया जाता है

[*प्राधिकरण:* **वीरा इब्राहिम बनाम महाराष्ट्र राज्य** में सर्वोच्च न्यायालय [1976]

एक पुलिस अधिकारी को दिया गया बयान

धारा 25

- **किसी पुलिस अधिकारी की *कोई स्वीकारोक्ति नहीं***
  - ओ साबित किया जाएगा
  - ओ *किसी भी अपराध के आरोपी* व्यक्ति के खिलाफ

पुलिस की हिरासत में रहते हुए किए गए बयान

धारा 26

- किसी व्यक्ति द्वारा कोई स्वीकारोक्ति नहीं
  - o **जबकि वह एक पुलिस अधिकारी की हिरासत में है**
- उसके खिलाफ साबित हो सकता है
  - o जब तक इसे मजिस्ट्रेट की तत्काल उपस्थिति में नहीं बनाया जाता

DLA द्वारा धारा 26 पर टिप्पणियाँ:

प्रश्न: क्या मुखबिर-अभियुक्त के खिलाफ इकबालिया प्राथमिकी का उपयोग किया जा सकता है?

उत्तर:

- यदि पहली जानकारी आरोपी द्वारा स्वयं दी जाती है, तो उसके देने का तथ्य जानकारी उनके खिलाफ उनके आचरण के सबूत के रूप में स्वीकार्य है साक्ष्य अधिनियम की धारा 8।

पेज 11

- *यदि सूचना एक गैर-गोपनीय बयान है, तो यह उसके खिलाफ स्वीकार्य है अभियुक्त साक्ष्य अधिनियम की धारा 21 के तहत एक प्रवेश के रूप में है और है प्रासंगिक है।*

- लेकिन एक पुलिस अधिकारी के लिए एक गोपनीय पहली सूचना रिपोर्ट का उपयोग नहीं किया जा सकता है साक्ष्य अधिनियम की धारा 25 के मद्देनजर आरोपी के खिलाफ।

[*प्राधिकरण:* **अघ्नू नागेशिया बनाम बिहार राज्य में सर्वोच्च न्यायालय [१ ९ ६६**]

धारा 25 और 26 के अपवाद

पुलिस अभिरक्षा में एक अभियुक्त से प्राप्त कुछ जानकारी सिद्ध हो सकती है

धारा 27

- जब किसी **तथ्य को चित्रित किया जाता है**
  - परिणाम के **रूप में *खोजा*** गया
  - एक पुलिस हिरासत में एक आरोपी व्यक्ति से मिली जानकारी अफ़सर
- इस तरह की जानकारी का बहुत कुछ इस तरह से पता चला तथ्य से संबंधित है
  - सिद्ध किया जा सकता है

DLA द्वारा धारा 27 पर टिप्पणियाँ

धारा 27 पूर्ववर्ती द्वारा लगाए गए निषेध को एक **अपवाद** प्रदान करता है अनुभाग, और पुलिस हिरासत में एक व्यक्ति द्वारा किए गए कुछ बयानों को सक्षम बनाता है साबित कर दिया।

- *अनुभाग को संचालन में लाने के लिए आवश्यक शर्त यह है कि ए किसी व्यक्ति से प्राप्त जानकारी के परिणाम में एक तथ्य की खोज पुलिस अधिकारी की हिरासत में किसी भी अपराध के आरोपी को,*

और इस जानकारी के बहुत से तथ्य के रूप में अलग से संबंधित है
जिससे पता चला साबित हो सकता है।

- यह खंड इस दृष्टिकोण पर आधारित प्रतीत होता है कि *यदि कोई तथ्य वास्तव में खोजा गया है*
दी गई जानकारी के परिणाम में, कुछ गारंटी को वहन किया जाता है
यह जानकारी सही थी, और तदनुसार, सुरक्षित रूप से अनुमति दी जा सकती है
सबूत में दिया गया

[*प्राधिकरण:* सर जॉन ब्यूमोंट, **गुप्त** **परिषद** , में **Pulukuri**
कोट्टया बनाम सम्राट [1947 PC]

प्रश्न: क्या वास्तव में "खंड में खोजे गए तथ्य" का अर्थ और गुंजाइश है
27?

उत्तर:

- *यह खंड के भीतर "तथ्य की खोज" के समान है*
उत्पादित वस्तु के लिए;
-

तथ्य की खोज उस जगह को ग्रहण करती है जहां से वस्तु है
का उत्पादन किया और इसके रूप में अभियुक्त का ज्ञान, *और*

दी गई जानकारी इस तथ्य से अलग संबंधित होनी चाहिए।

- पिछले उपयोगकर्ता या उत्पादित वस्तु के पिछले इतिहास की जानकारी नहीं है
  उस सेटिंग में इसकी खोज से संबंधित है जिसमें इसे खोजा गया है।

[*प्राधिकरण:* सर जॉन ब्यूमोंट गुप्त परिषद, में **Pulukuri कोट्टया बनाम सम्राट [1947 PC]**

धारा 27 के दायरे को समझने के लिए एक चित्रण

- हिरासत में एक व्यक्ति द्वारा दी गई जानकारी कि "मैं एक चाकू का उत्पादन करूंगा
  मेरे घर की छत में छिपी हुई "चाकू की खोज के लिए नेतृत्व नहीं करता है;

पृष्ठ १३

चाकू कई साल पहले खोजे गए थे। *यह तथ्य की खोज की ओर जाता है*

कि एक चाकू मुखबिर के घर में उसकी जानकारी के लिए छपा है, और
यदि चाकू अपराध के कमीशन में इस्तेमाल किया गया है, साबित होता है
खोजा गया तथ्य बहुत प्रासंगिक है।

- लेकिन अगर बयान में शब्दों को जोड़ा जाए "जिसके साथ मैंने A को मारा है", ये शब्द बेवजह हैं क्योंकि वे चाकू की खोज से संबंधित नहीं हैं
  मुखबिर का घर।

नोट :

- यह चित्रण *पुलकुरी* में प्रिवी काउंसिल के फैसले से लिया गया है
  कोट्टया बनाम सम्राट।

प्रश्न: कौन से बयान स्वीकार्य नहीं हैं?

उत्तर:

- धारा 24 और के तहत निर्दिष्ट परिस्थितियों में किए गए बयान
  इससे पहले कि धारा 25 और 26 में निर्दिष्ट व्यक्ति को छोड़कर **स्वीकार्य** नहीं हैं
  धारा 27 में निर्दिष्ट परिस्थितियों में।

उनकी अयोग्यता के पीछे तर्क

- *यह प्रतिबंध निश्चित रूप से विधानमंडल के डर से प्रेरित था कि ए*

पुलिस प्रभाव के तहत व्यक्ति को व्यायाम के द्वारा कबूल करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है अनुचित दबाव

[प्राधिकरण: पुलुकुरी कोट्टया बनाम सम्राट]

न्यायिक सेवाओं के लिए कोचिंग, DU LLB और CLAT | www.delhilawacademy.com

पेज 14

प्रश्न: एडमिशन और कन्फेशन में क्या अंतर है?

उत्तर 1:

- "प्रवेश और स्वीकारोक्ति के बीच का अंतर काफी है
  दो कारणों से महत्व।

- सबसे पहले, एक आरोपी व्यक्ति द्वारा एक बयान, अगर यह एक प्रवेश है, तो
  साक्ष्य अधिनियम की धारा 21 के तहत साक्ष्य में स्वीकार्य, जब तक कि

बयान एक इकबालिया है और अधिकार में एक व्यक्ति के लिए किया गया था
कुछ अनुचित प्रलोभन, धमकी या वादे का परिणाम, या बनाया गया था
पुलिस अधिकारी को, या ऐसे समय में बनाया गया था जब अभियुक्त हिरासत में था
पुलिस अधिकारी। यदि परिस्थिति में अभियुक्त द्वारा एक बयान दिया गया था
उल्लिखित इसकी स्वीकार्यता के निर्धारण पर निर्भर करेगा
सवाल है कि क्या यह एक स्वीकारोक्ति के लिए राशि नहीं है। यह बेवजह होगा,
लेकिन अगर यह स्वीकारोक्ति के लिए नहीं है, तो यह धारा 21 के तहत स्वीकार्य होगा
प्रवेश के रूप में अधिनियम, बशर्ते कि यह एक तथ्य के रूप में एक निष्कर्ष का सुझाव देता है
जो जारी है, या उसके लिए प्रासंगिक है, मामला और पुलिस के लिए नहीं बनाया गया था
सीआरपीसी के अध्याय XIV के तहत एक जांच के दौरान अधिकारी।

- दूसरे, एक अभियुक्त व्यक्ति द्वारा दिया गया एक बयान दूसरों के खिलाफ स्वीकार्य है
  जो संयुक्त रूप से केवल उसके साथ करने की कोशिश की जा रही है अगर बयान मात्रा में हो
  इकबालिया बयान। जहां बयान एक बयान से कम हो जाता है, यह स्वीकार्य है
  केवल एक प्रवेश के रूप में इसके निर्माता के खिलाफ है और जो नहीं किया जा रहा है उसके खिलाफ है
  संयुक्त रूप से उसके साथ प्रयास किया गया। इसलिए, धारा 30 के दृष्टिकोण से भी
  प्रवेश और स्वीकारोक्ति के बीच अंतर मौलिक महत्व का है। ”

[*प्राधिकरण:* **मोनीर का साक्ष्य कानून**]

उत्तर 2:

- *केवल स्वैच्छिक और प्रत्यक्ष अपराधबोध की स्वीकारोक्ति एक स्वीकारोक्ति है,*
  लेकिन जब एक अपराधबोध अपराध के वास्तविक प्रवेश से कम हो जाता है

पेज 15

फिर भी उस व्यक्ति के खिलाफ सबूत के रूप में इस्तेमाल किया जाए जिसने इसे एक के रूप में बनाया धारा 21 के तहत 'प्रवेश'।

[*प्राधिकरण:* **सीबीआई बनाम सुप्रीम कोर्ट में वीसी शुक्ला [1998]**

****

धारा 17 - 27 पर कानून

1. बिश्वनाथ प्रसाद बनाम द्वारका प्रसाद [1974 SC]

2. भरत सिंह v। भागीरथी [१ ९ ६५ एससी]

2. सीबीआई	v। वीसी शुक्ला	[1998 SC]
3. वीरा इब्राहिम	v। महाराष्ट्र राज्य [1976 SC]	
4. अघनु नागेशिया	v। बिहार राज्य	[1966 SC]
5. पुलुकुरी कोट्टया बनाम सम्राट		[१ ९ ४ [पीसी]

****